

अलख बम भोले शंकर गले में नाग भयंकर
कालों के काल ^{sssss} हे महाकाल ^{ssss} ॥२॥

दया की रुक नजर कर.. अलख-----

तेरी शरण में बाबा जो भी आया

हर इच्छा फल उसने पाया

नाथों के नाथ ^{ssss} हे विश्वनाथ ^{sssss} ॥२॥

सुनो विनली गंगाधर.... अलख-----

पल भर में देने वाले- तुम बड़े दानी

नाम है तभी तो तेरा- ओंकर दानी

आये हैं द्वार ^{ssss} हे- करतार ^{sssss} ॥२॥

मेरे बाबा उमरुधर.... अलख-----

सीधी राहों पे चलना- सबको सिखा दो
 रूप- सलौना अपना- सबको दिखा दो
 नैया-मझदार ऽऽऽ हे खेवनहार ऽऽऽऽ ॥२॥

समाधि खोलो- शशिधर---अलख---

तीनों लोकों में- तेरा नाम है स्वामी
 घट-घट के वासी- तुम हो-अन्तर्यामी
 देवों के देव ऽऽऽऽ हे महादेव ऽऽऽऽ ॥२॥

"श्री बाबा श्री" की सुनलो- विषधर---अलख---